Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
M.B.R.R.V.Pd. College, Ara

व्यवहारवाद के संस्थापक के रूप में जॉन बी. वाटसन का योगदान

(Contribution of John B. Watson as the Founder of Behaviourism)

1. **परिचय (Introduction)**

   - 20वीं शताब्दी के प्रारंभ में मनोविज्ञान आत्मनिरीक्षण (Introspection) और चेतना (Consciousness) पर आधारित था।
   - जॉन ब्रॉडस वाटसन (John B. Watson, 1878–1958) ने इसका विरोध करते हुए मनोविज्ञान को एक वस्तुनिष्ठ, प्रयोगात्मक और वैज्ञानिक विज्ञान बनाने का प्रयास किया।
   - इसी कारण उन्हें व्यवहारवाद का संस्थापक (Founder of Behaviourism) कहा जाता है।

2. **व्यवहारवाद की घोषणा (Behaviourist Manifesto – 1913)**

   - 1913 में वाटसन ने अपना प्रसिद्ध लेख प्रकाशित किया– "Psychology as the Behaviorist Views It". इस लेख को व्यवहारवाद का घोषणापत्र माना जाता है।

   मुख्य विचार:

   - मनोविज्ञान को केवल प्रत्यक्ष रूप से देखे जा सकने वाले व्यवहार का अध्ययन करना चाहिए।
   - चेतना, मन, भावना जैसी आंतरिक प्रक्रियाएँ अवैज्ञानिक हैं।
   - मनोविज्ञान का लक्ष्य होना चाहिए।
   - व्यवहार की भविष्यवाणी (Prediction)
   - व्यवहार का नियंत्रण (Control)

Edit with WPS Office

3. **चेतना और आत्मनिरीक्षण का विरोध**

   वाटसन का मानना था कि:

   - चेतना को मापा नहीं जा सकता
   - आत्मनिरीक्षण व्यक्तिनिष्ठ (Subjective) है
   - विज्ञान में केवल वही स्वीकार्य है जो मापन योग्य (Measurable) हो
   - इसलिए उन्होंने चेतना-केंद्रित मनोविज्ञान को पूरी तरह अस्वीकार किया।

4. **व्यवहार को मनोविज्ञान का विषय बनाना**

   वाटसन ने कहा:

   - "मनोविज्ञान वह विज्ञान है जो उत्तेजना (Stimulus) और प्रतिक्रिया (Response) के संबंध का अध्ययन करता है।"
   - Stimulus–Response (S–R) सिद्धांत
   - हर व्यवहार किसी न किसी उत्तेजना का परिणाम होता है
   - व्यवहार सीखा जाता है, जन्मजात नहीं होता

5. **सीखने (Learning) पर जोर**

   वाटसन के अनुसार:

   - अधिकांश व्यवहार पर्यावरण के प्रभाव से बनते हैं
   - आनुवंशिकता (Heredity) की तुलना में पर्यावरण अधिक शक्तिशाली है

   प्रसिद्ध कथन:

   - "Give me a dozen healthy infants… I can train him to become any type of specialist."

Edit with WPS Office

6. **लिटिल अल्बर्ट प्रयोग (Little Albert Experiment – 1920)**

- वाटसन और रोसाली रेयनर द्वारा किया गया यह प्रयोग भावनाओं के अनुबंधन को दर्शाता है।

प्रयोग का निष्कर्ष:

- डर जैसी भावनाएँ भी शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning) से सीखी जा सकती हैं
- भावनाएँ जन्मजात नहीं बल्कि सीखी हुई प्रतिक्रियाएँ हैं

7. **पशु प्रयोगों का समर्थन**

- वाटसन ने चूहों, खरगोशों आदि पर प्रयोग करके यह दिखाया कि:
- मानव और पशु व्यवहार में मौलिक समानता है
- पशु प्रयोगों से मानव व्यवहार के नियम समझे जा सकते हैं

8. **अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान में योगदान**

- वाटसन ने व्यवहारवाद का प्रयोग
- बाल पालन (Child Rearing)
- शिक्षा
- विज्ञापन (Advertising)
- प्रशिक्षण और आदत निर्माण
- उनका मानना था कि सही प्रशिक्षण से व्यवहार को बदला जा सकता है।

9. **वाटसन के योगदान का महत्व**

- मनोविज्ञान को वैज्ञानिक दिशा दी
- प्रयोगात्मक विधियों को बढ़ावा दिया

Edit with WPS Office

- व्यवहार अध्ययन की ठोस आधारशिला रखी
- स्किनर, हल, टॉलमैन जैसे व्यवहारवादियों के लिए मार्ग प्रशस्त किया

10. आलोचना (Criticism)

- हालाँकि वाटसन के विचार प्रभावशाली थे, फिर भी:
- चेतना और संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं की उपेक्षा की
- मानव व्यवहार को अत्यधिक यांत्रिक माना
- भावनाओं और विचारों की जटिलता को नजरअंदाज किया

11. निष्कर्ष (Conclusion)

- जॉन बी. वाटसन ने मनोविज्ञान को दर्शन से अलग कर विज्ञान के रूप में स्थापित किया।
- उनका व्यवहारवाद मनोविज्ञान के इतिहास में एक क्रांतिकारी मोड़ साबित हुआ।
- इसलिए उन्हें उचित ही व्यवहारवाद का संस्थापक कहा जाता है।

Edit with WPS Office